आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–22 मार्च 2026 भोजपुरी समाचार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देस में कउनों निर्वाचित सरकार क सबसे बेसी समय ले नेतृत्व करे वाला सासनाध्यक्ष बनि गइल हवें। श्री मोदी गुजरात क मुख्यमंत्री आ देस क प्रधानमंत्री के तौर पर संयुक्त रूप से आठ हजार नौ सौ एकतीस दिन क कार्यकाल पूरा कइ लिहले हवें। हमरे संवाददाता बतवले हवें कि श्री मोदी के नांव कई गो अउरियो रिकॉर्ड बा।

श्री मोदी के नाम सबसे अधिक समय तक गुजरात के मुख्यमंत्री पद पर रहने और प्रधानमंत्री बनने से पहले सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री होने का रिकार्ड शामिल है। श्री मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिनका जन्म स्वतंत्रता के बाद हुआ है और जिन्होंने लगातार तीन बार लोकसभा चुनाव जीते हैं। वे 2001 में पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे और 13 वर्ष तक मुख्यमंत्री रहने के बाद 2014 में देश के 14वें प्रधानमंत्री बने। श्री मोदी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने वाले पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री भी हैं। समाचार कक्ष से निखिल कुमार।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु लखनऊ के लोकभवन में चयनित नर्सिंग अधिकारियन के नियुक्ति पत्र बंटलें। येह मौका पर आयोजित कार्यक्रम के सम्बोधित करत उहां के कहलीं कि आजु नर्सिंग प्रोफेसनर्स क मांग खाली भारते नाहीं बलुक दुनिया भर में बा। उहां के बतवलीं कि जापान आ जर्मनी क जतरा के दौरानों उनसे नर्सिंग प्रोफेसनर्स क मांग कइल गइल। ओइजा के लोगिन में भारत क नर्सिंग प्रोफेसनर्स के ले के आदर क भाव बा। मुख्यमंत्री कहलें कि प्रदेस में नर्सिंग आ पैरामेडिकल सिक्षा के समान रूप से प्राथमिकता दीहल जा रहल हौ। सरकार की ओरि से स्वास्थ्य सेवा के प्राथमिकता दीहलइ गइले क नतीजा अब साफ तौर पर देखाई देवे लागल हौ। मुख्यमंत्री नर्सिंग पाठ्यक्रमन क पढ़ाई कइ रहलि छात्रा लोगिन के कई गो भारतीय भासा के सिखले क सलाहि दिहलें, जेहसे ऊ देस में कउनों जगहि पर सेवा दिहले में सक्षम बनि सकें। येह मौका पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक आ चिकित्सा स्वास्थ्य राज्य मंत्री कुंवर मयंकेश्वर शरण सिंहो मौजूद रहलें।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजु नया बनल नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट क लोकार्पण के तइयारियन क जायजा लेवे नोएडा पहुंचलें। ओइजा उहां के जेवर एयरपोर्ट पर अधिकारियन के साथे बइठकी कइ के समारोह के तइयारियन आ सुरक्षा इंतिजाम क समीक्षा कइलीं आ जरूरी दिसा–निरदेस दिहलीं। येह नया बनल इंटरनेसनल एयरपोर्ट क प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आवे वाला अट्ठाइस मार्च के लोकारपण करिहें।

****

केन्द्र सरकार राज्यन के व्यौसायिक एलपीजी के बीस फीसदी अतिरिक्त आवंटन क मंजूरी दे दिहले हौ। ई अब बढ़ि के पचास फीसदी हो जाई। एहमें पीएनजी विस्तार बदे सुगम सुधारन पर आधारित दस फीसदी आवंटनों सामिल बा। ई अतिरिक्त आवंटन राज्य चाहे स्थानीय निकायन की ओरि से चलावल जा रहल रेस्तरां, ढाबा, होटल, औद्योगिक कैंटीन, डेयरी, सब्सिडी वाला कैंटीन आ अउरियो क्षेत्रन में प्राथमिकता के आधार पर दीहल जाई। येह बारे में पेट्रोलियम आ प्राकृतिक गैस मंत्रालय क सचिव नीरज मित्तल सज्जो राज्यन आ केन्द्रसासित प्रदेसन के मुख्य सचिवन से कहले हवें कि ई आवंटन बिहने से लागू होई। उहां के कहलीं कि सज्जो वाणिज्यिक आ औद्योगिक एलपीजी उपभोक्ता लोगिन के कुलि पचास फीसदी आवंटन से वाणिज्यिक एलपीजी पावे बदे पात्र भइले से पहिले तेल विपणन कम्पनियन के साथे पंजीकरण करावे के होई।

****

चइत नवरातर क चउथा दिन्ने प्रदेस भर में आजु सरधालु मां भगवती क चउथा स्वरूप माता कुष्मांडा क पूजा–अर्चना कइ रहल हवें। प्रदेस के सज्जो देवी मंदिरन आ सक्तिपीठन में दरसन–पूजन बदे सरधालुअन के पहुंचले क सिलसिला जारी बा। मिर्जापुर क मां विन्ध्यवासिनी देवी मंदिर में प्रदेस भर से सरधालु पूजा–अर्चना बदे पहुंचल हवें। सरधालु लाइनि लगा के माता क दरसन कइ रहल हवें। एगो रिपोर्ट हमरे प्रतिनिधि से–

माँ विंध्यवासिनी के धाम विन्ध्याचल मे आज दर्शनार्थियों की भारी भीड़ उमड़ी हुई है। आज भक्त माँ के कूष्माण्डा स्वरूप की पूजा अर्चना कर रहे हैं। भक्त कतारबद्ध होकर माँ विन्ध्यवासिनी का दर्शन कर निहाल हो रहे हैं स मंगला आरती के बाद आम दर्शनार्थियों के लिए मंदिर के कपाट खोल दिये गये थे स गंगा स्नान के बाद भक्त जय माता दी के जय जयकारा लगाते हुए मातारानी के चरणों में शीश झुका कर आशीर्वाद ले रहें है स इस समय माँ विंध्यवासिनी देवी , माँ अष्टभुजा देवी , व माँ काली का दर्शन पूजन कर श्रद्धालु त्रिकोण परिक्रमा पूरी कर रहे हैं। मेला क्षेत्र मे सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था हैं। एस एम सबा आकाशवाणी समाचार विन्ध्याचल।

****

विश्व जल दिवस के मौका पर आजु वाराणसी के दशाश्वमेघ घाट पर एगो अनूठा पहल देखे के मिलल। ओइजा नमामि गंगे क स्वयंसेवी न त खाली गंगा जल क सफाई कइलें बलुक जनभागीदारी से मां गंगा के निरमल स्वरूप क रक्षा सम्भव भइले क सनेसो दिहलें गंगा के पानी क सफाई के बाद स्वच्छ जल व स्वस्थ समुदाय के जयकारा के साथे गंगा के किनारे लोगिन क एगो बिसाल मानव श्रृंखला बनावल गइल। येह दौरान सब लोगि हाथे से हाथ मिला के नदियन, तलाबन आ भूजल के बचवले क संकल्प लिहलें।

****